

उत्तर कुंजी — सेट 2

For: Model Paper Set 2

Max. Marks: 80

Notes for valuers

- खंड क-ख: सही भाव वाले उत्तर स्वीकार करें; छोटी वर्तनी की गलतियों पर अंक न काटें।
- खंड ग-घ: नीचे दिए गए मूल्य-बिंदु मार्गदर्शन के लिए हैं; छात्र के अपने शब्दों में सही उत्तर पूरे अंक के योग्य हैं।
- पत्र/निबंध/संवाद (8 अंक): विषय-वस्तु 4, प्रारूप/क्रम 2, भाषा 2।
- पाठ-आधारित उत्तरों को मूल्यांकनकर्ता पाठ्यपुस्तक से मिलाकर देख लें।

खंड – क

20 × 1 = 20

1. B) गगन
2. A) रात
3. B) शेरनी
4. A) नदियाँ
5. A) बे
6. C) मैं
7. A) परोपकारी
8. A) बहुत शोर करना
9. A) वह गाना गाती है।
10. A) चतुर
11. B) नीम
12. B) पेड़ की छाया में
13. A) दवा का काम करती हैं
14. B) नया पौधा लगाती है
15. A) धूप
16. A) धान
17. B) किसान
18. A) धूप-छाँव की
19. A) अनाज
20. B) किसान का

21. (क) अमीर – गरीब (ख) सुख – दुख (ग) जीत – हार (घ) आना – जाना [4 × ½]
22. (क) रानी आई।
(ख) मोरनी नाचती है।
23. (क) नौ दो ग्यारह होना – भाग जाना। वाक्य: पुलिस को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गया।
(ख) कमर कसना – तैयार होना। वाक्य: परीक्षा के लिए छात्रों ने कमर कस ली।
24. धिंसा नृत्य आंध्र प्रदेश (अराकू घाटी) और ओडिशा के आदिवासी लोग करते हैं। यह त्योहारों, शादियों और उत्सवों के समय किया जाता है।

25. मूल्य-बिंदु: कविता एक प्रार्थना है; कवि ईश्वर से ज्ञान, सदबुद्धि और अच्छे गुण माँगता है; बुराइयों से दूर रहने, सच्चाई और सेवा की राह पर चलने की शक्ति माँगता है। (पाठ्यपुस्तक से मिलाएँ।)
26. मूल्य-बिंदु: चतुर/बुद्धिमान, धैर्यवान, मुसीबत में भी शांत, सूझ-बूझ से काम करने वाला, हार न मानने वाला।
(कहानी के प्रसंग से उदाहरण दें।)
27. मूल्य-बिंदु: मन लगाकर पढ़ना; अनुशासन; सच्चाई और ईमानदारी; सबसे प्रेम और भाईचारा; पर्यावरण और देश की संपत्ति की रक्षा; बड़े होकर देश का नाम रोशन करना।
28. मूल्य-बिंदु: ईमानदार व्यक्ति को सम्मान/इनाम मिला (पाठ के अनुसार)। ईमानदारी से विश्वास बढ़ता है, मन शांत रहता है, समाज में आदर मिलता है; बेईमानी से अंत में नुकसान होता है।
29. (क) मेरा नाम रवि है। [4 × 1]
(ख) पानी बहुत उपयोगी है।
(ग) समय बर्बाद मत करो।
(घ) हम अपने देश से प्यार करते हैं।

30. (अ) पत्र प्रारूप: स्थान व दिनांक, संबोधन, अभिवादन, विषय-वस्तु, समापन (तुम्हारा मित्र / आपका आज्ञाकारी पुत्र), नाम।
पूज्य पिताजी को प्रणाम; पढ़ाई कैसी चल रही है, परीक्षा की तैयारी, पसंदीदा विषय, शिक्षकों की प्रशंसा, स्वास्थ्य, माँ को प्रणाम।
30. (आ) पत्र प्रारूप: स्थान व दिनांक, संबोधन, अभिवादन, विषय-वस्तु, समापन (तुम्हारा मित्र / आपका आज्ञाकारी पुत्र), नाम।
मेले का अवसर, दुकानें, झूले, खिलौने, मिठाइयाँ, भीड़, अपना अनुभव, मित्र को अगली बार आने का निमंत्रण।
31. (अ) पेड़ों से ऑक्सीजन, छाया, फल, फूल, लकड़ी, दवाइयाँ; वर्षा और मिट्टी की रक्षा; पशु-पक्षियों का घर; पेड़ कटने से हानि; पेड़ लगाने का संकल्प।

31. (आ) खेल का नाम, खेलने का तरीका, कब और किसके साथ, प्रसिद्ध खिलाड़ी, लाभ, क्यों प्रिय है।
32. (आ) धिंसा नृत्य का परिचय, कौन करते हैं, कहाँ, कब; नृत्य की विधि (घेरा, हाथ पकड़कर), वाद्य, वेशभूषा; आदिवासी संस्कृति का महत्व। (पाठ्यपुस्तक से मिलाएँ।)
32. (आ) कविता का भाव: छोटे बच्चे देश का भविष्य हैं; वे पढ़-लिखकर, मिल-जुलकर, सच्चाई के रास्ते पर चलकर देश को महान बनाने का संकल्प लेते हैं। (पाठ्यपुस्तक से मिलाएँ।)
33. (आ) संवाद प्रारूप: शिक्षक गृहकार्य के बारे में पूछते हैं; छात्र कारण बताता है; शिक्षक समय-सारणी और नियमित अभ्यास की सलाह देते हैं; छात्र वादा करता है; 10-12 वाक्य।
33. (आ) शीर्षक: कबूतर और चींटी / जैसे को तैसा (भलाई का बदला भलाई)। चींटी नदी में गिरी, कबूतर ने पत्ता गिराया, चींटी बची; शिकारी ने कबूतर पर निशाना लगाया, चींटी ने उसके पैर में काटा, निशाना चूका, कबूतर बचा। सीख: भलाई का बदला भलाई से मिलता है।

* * *